जुगनू का प्रकाश

एक बार बहुत समय तक कहीं वर्षा न हुई। कुएँ-तालाब सब सूख गए। धीरे-धीरे नदियाँ भी सूख गईं। सारी धरती सूख गई। उसमें जगह-जगह दरारें पड़ गईं।

पानी न था तो अन्न कहाँ से पैदा होता! अन्न तो अन्न, कहीं घास का एक सूखा तिनका भी नज़र नहीं आता था। हवा चलती तो धूल उड़ती। पेड़ों की सूखी डालियाँ चर्र-मर्र करती हुई टूटकर धरती पर आ गिरतीं। भूख-प्यास के मारे सभी बेहाल थे। कहीं भी पानी की एक बूँद न थी। पशु-पक्षियों का हाल तो और भी बुरा था। कई तड़प-तड़प कर प्राण दे चुके थे।

एक जुगनू भी पानी की तलाश में था। वह पानी की खोज में दूर-दूर तक उड़कर गया पर उसे कहीं पानी नहीं मिला। वह बहुत थक गया था। पर अभी उसने हिम्मत न हारी थी। वह थोड़ी दूर और गया। दूर पहाड़ पर उसे कुछ चमकता हुआ दिखाई दिया। वह धीरे-धीरे उड़ता हुआ कुछ आगे बढ़ा। थोड़ा रुका, फिर उड़ने लगा। उसे सचमुच पानी की झलक दिखाई दी। उसने सोचा- "यदि वह पानी है तो कई प्राणियों के प्राण बच जाएँगे। मुझे हिम्मत से काम लेना चाहिए।"

Scanned with CamScanner

वह छोटा-सा जुगनू पहाड़ के उस पार उड़ता चला गया। वह पानी ही था जो दूर से चमक रहा था। ठंडा और मीठा पानी, झर-झर की मधुर ध्वनि करता हुआ बह रहा था। जुगनू ने पेटभर पानी पिया। फिर रुककर थोड़ा और पिया। जब तृप्ति हो गई तो वहीं लेट गया। उसे नींद नहीं आई। उसने सोचा-"कई जीव-जंतु पानी के बिना तड़प रहे हैं। यदि मैं सो गया तो उनका क्या होगा।

जुगनू उड़ने लगा। रास्ते में छोटा-बड़ा जो भी मिलता, उसे पानी का पता बताता और फिर आगे उड़ जाता। इसी तरह अन्य जीवों को पानी दिखाते-दिखाते संध्या हो गई और फिर रात का अंधकार बढ़ने लगा। दूर से चमकता हुआ पानी दिखाई देना बंद हो गया। जुगनू जीव-जंतुओं के साथ जाता, उन्हें पानी दिखाता और लौट आता। सारी रात उड़ते-उड़ते वह इतना थक गया कि प्रभात होते ही एक पत्थर पर गिर पड़ा।

वहीं एक ऋषि बैठे प्रार्थना कर रहे थे। उन्होंने इतने छोटे जीव को तड़पते देखा तो उसे हथेली पर उठा लिया। जब जुगनू ने कुछ देर आराम कर लिया तो ऋषि ने उससे सारी बात पूछी।

सुनकर ऋषि बोले-"इतने छोटे होकर भी तुम्हें दूसरे जीव-जंतुओं का इतना ध्यान है। जो दूसरों को रास्ता दिखाता है, वह तो स्वयं ही प्रकाश की किरण है।"

उसी दिन से जुगनू में प्रकाश टिमटिमाने लगा। बादल हो या आँधी, कितना भी अँधेरा हो, जुगनू अपने थोड़े से प्रकाश को लिए इधर उधर उड़ता रहता है-दूसरों को रास्ता दिखाने के लिए।

Scanned with CamScanner